हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–179 : जौनपुर, शनिवार 18 मार्च 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

काशी विश्वनाथ के दरबार में 100 बार दर्शन करने वाले पहले मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 100वीं बार दर्शन करने वाले पहले सीएम भी बन गये हैं। 2017 में प्रदेश की सत्ता संभालने वाले योगी आदित्यनाथ जब भी काशी आते हैं, अमूमन हर बार बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी जरूर लगाते हैं। सीएम योगी मंदिर में षोडषोपचार विधि से दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की कामना करते हैं। वर्ष 2017 से अभी तक अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में सीएम योगी आदित्यनाथ 100 बार बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने वाले पहले मुख्यमंत्री बन गये हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को 113वीं बार वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर आये। दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया है, जिसने नया कीर्तिमान बनाया है। योगी आदित्यनाथ महीने में एक बार या कभी–कभी दो बार काशी की यात्रा जरूर करते हैं। अपने हर दौरे में मुख्यमंत्री विकास कार्यो की समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण करते हैं। जिसका परिणाम वाराणसी के चतुर्दिक विकास के रूप में दिखता है। वहीं 6 साल के हिसाब से देखें तो सीएम योगी औसतन हर 21 दिन पर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने पहुंचते हैं। योगी आदित्यनाथ अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के 72 महीनों में करीब 100 बार बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंचने वाले पहले सीएम बन गये हैं। पहली बार उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ 2017 से मार्च 2022 तक कुल 74 बार भगवान विशेश्वर से आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। श्री काशी विश्वनाथ के अर्चक डॉ नीरज कुमार पांडेय बताते हैं ये उनकी सनातन धर्म के प्रति और बाबा विश्वनाथ के प्रति अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। सीएम योगी आदित्यनाथ षोडषोपचार पूजन एवं रूद्र सूक्त से विश्वनाथ जी का अभिषेक करते हैं। साथ ही विश्व के नाथ बाबा विश्वनाथ से लोक कल्याण, देश और प्रदेश के सर्व कल्याण के लिए कामना करते हैं। बता दें कि बीते साल 9 सितंबर को मुख्यमंत्री ने जब वाराणसी का 100वां दौरा किया था तब उन्होंने 88वीं बार श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया था। इसके बाद से लेकर 18 मार्च तक मुख्यमंत्री ने 12 बार बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। जानें कब–कब दर्शन के लिए गए मुख्यमंत्री योगी वर्ष 2022, 9 सितंबर

तक 88 बार वर्ष 2022, 1 अक्टूबर को 89वीं बार वर्ष 2022, 14 अक्टूबर को 90वीं बार वर्ष 2022, 6 नवंबर को 91वीं बार वर्ष 2022, 11 नवंबर को 92वीं बार वर्ष 2022, 11 दिसंबर को 93वीं बार वर्ष 2023, 8 जनवरी को 94वीं बार वर्ष 2023, 12 जनवरी को 95वीं बार वर्ष 2023, 19 जनवरी को 96वीं बार वर्ष 2023, 20 जनवरी को 97वीं बार वर्ष 2023, 4 फरवरी को 98वीं बार वर्ष 2023, 13 फरवरी को 99वीं बार वर्ष 2023, 18 मार्च को 100वीं बार काल भैरव मंदिर में भी सीएम ने किया 100वीं बार दर्शन पूजन बतौर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में 100 बार दर्शन पूजन कर इतिहास तो रचा ही है, इसके अलावा वे काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव के दरबार में 100 बार हाजिरी लगाने वाले मुख्यमंत्री भी बन गये हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सुबह बाबा काल भैरव मंदिर में विधि–विधान से दर्शन पूजन और आरती की। इस दौरान मंदिर के बाहर डमरू बजा रहे एक बालक को देख मुख्यमंत्री ने रुककर प्यार से उसका नाम पूछा और उससे उसकी पढ़ाई को लेकर जानकारी ली। दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी ने सर्किट हाउस का किया निरीक्षण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह सर्किट हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। सीएम योगी ने इससे पहले शुक्रवार शाम को वाराणसी पहुंचने के बाद विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को तमाम दिशा–निर्देश दिये। सीएम ने करखियांव स्थित इंटीग्रेटेड पैक हाउस, 34वीं वाहिनी पीएसी और रोहनिया थाने में बने बैरकों का निरीक्षण करते हुए अफसरों को दिशा–निर्देश दिये थे। वहीं शनिवार सुबह ही सीएम ने वाराणसी सर्किट हाउस के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया।

जातीय समीकरण के चक्कर में अटकी भाजपा की टीम : प्रदेश स्तर से भेजे गए पैनल पर केंद्र में चल रहा मंथन

लखनऊ ब्यूरो : भाजपा की प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा जातीय संतुलन के चक्कर में अटक गई है। एक पद के लिए एक ही जाति के कई दावेदार होने से मामला पेचीदा बन गया है। केंद्रीय नेतृत्व के स्तर से इसको लेकर मंथन चल रहा है। हालांकि सूची को हरी झंडी राष्ट्रीय मुख्यालय से ही मिलेगी। नई टीम के लिए करीब दस दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह कोर कमेटी की सहमति से तैयार पैनल राष्ट्रीय नेतृत्व को सौंप चुके हैं, अभी तक इसे हरी झंडी नहीं मिली है। सूत्रों के मुताबिक, शीर्ष नेता यूपी की नई टीम में ब्राह्मण, ठाकुर, भूमिहार, कायस्थ और वैश्य के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं। प्रदेश महामंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रदेश मंत्री पद पर ब्राह्मण और ठाकुर समाज के दो दो लोग नियुक्त करने सहमति बनी है, पर दोनों ही समाज के दावेदारों की सूची बहुत लंबी है। एक एक पद के लिए कई मजबूत दावेदार हैं। इनमें वर्तमान प्रदेश पदाधिकारियों के साथ पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक और सांसद भी हैं। पार्टी के शीर्ष नेता महिला, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग की भागीदारी भी पर्याप्त रखना चाहते हैं। इनमें कुर्मी, मौर्य, शाक्य, सैनी, राजभर, निषाद, जाट, गुर्जर, लोध और यादव समाज के बीच संतुलन बनाना है। वहीं, अनुसूचित वर्ग में पासी, कोरी, जाटव, धोबी समाज को भी प्रतिनिधित्व देना है। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर टीम में जातीय संतुलन बनाने में भाजपा कोई चूक नहीं करना

चाहती है। लिहाजा राष्ट्रीय स्तर पर एक एक मुद्दे पर मंथन किया जा रहा है। क्षेत्रीय अध्यक्ष पद पर सबसे ज्यादा पेंच भाजपा के अवध, काशी, गोखपुर, कानपुर–बुंदेलखंड, पश्चिम और ब्रज क्षेत्र में नए क्षेत्रीय अध्यक्षों की घोषणा होनी है। इनमें तीन से चार क्षेत्रों में पिछड़े वर्ग के कार्यकर्ताओं की तैनाती होगी। एक पक्ष का मानना है कि परंपरागत वैश्य वोट बैंक को साधने के लिए एक क्षेत्रीय अध्यक्ष वैश्य समाज से भी बनना चाहिए। वहीं एक क्षेत्र में ब्राह्मण और एक क्षेत्रीय अध्यक्ष ठाकुर समाज से बनाया जाएगा। सबसे ज्यादा पेंच अवध और काशी को लेकर है। दोनों में से एक क्षेत्र में कुर्मी और एक में ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ता की ताजपोशी करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। लेकिन अवध में कुर्मी बनाया जाए या ब्राह्मण इसको लेकर असमंजस है। काशी क्षेत्र में भाजपा के सहयोगी अपना दल (एस) का कुर्मी समाज में प्रभुत्व बढ़ता जा रहा है। ऐसे में पार्टी काशी क्षेत्र में इस समाज पर विचार कर सकती है। हालांकि इसका निर्णय दिल्ली से ही होगा।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल : 650 आउटसोर्सिंग व संविदाकर्मियों की सेवाएं समाप्त करनें हेतु एजेंसियों को नोटिस

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में विभिन्न निगमों में आउटसोर्सिंग एजेंसी के जरिए और संविदा पर कार्यरत करीब 650 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनमें पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में 242, मध्यांचल के 110, पश्चिमांचल में 60 और दक्षिणांचल के 38 कर्मचारी भी शामिल हैं। इसके अलावा एजेंसियों को नोटिस भी जारी की गई है। कॉरपोरेशन के चेयरमैन एम देवराज ने बताया कि गाजीपुर में बिजली आपूर्ति के लिए काम कर रही फर्म भारत इंटरप्राइजेज को अपने कर्मचारियों को उपस्थित न करा पाने के कारण फर्म के महाप्रबंधक एवं सुपरवाइजर राहुल सिंह के विरुद्ध कोतवाली गाजीपुर में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इसके अलावा छह अन्य एजेंसियों के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। देवराज ने कहा कि भविष्य में इन एजेंसियों को निगम में कार्य करने के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। सभी जिलों में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि काम न करने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए। योगी बोले – अराजकता फैलाने वाले बिजलीकर्मी होंगे सूचीबद्घ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अराजकता फैलाने वाले बिजली कर्मी सूचीबद्घ किए जाएंगे। बिजली फीडर बंद करने वालों के खिलाफ

कार्रवाई की जाए। सरकार प्रतिवर्ष 20 हजार करोड़ रुपये पावर कॉर्पोरेशन को उसका घाटा पूरा करने के लिए देती है। ऊर्जा मंत्री ने चेताया, लाइन में फॉल्ट किया तो आकाश–पाताल से खोज निकालेंगे ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने हड़ताली कर्मचारियों को चेताया है कि लाइन में फॉल्ट करने वालों को आकाश–पाताल से खोज निकालकर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने आपूर्ति को पूरे नियंत्रण में बताते हुए दावा किया है कि प्रदेश में चार हजार मेगावाट सरप्लस बिजली है।

वंदेभारत ट्रेन के रूट में बड़ा बदलाव : प्रयागराज और बलिया की कई ट्रेनें भी रहेंगी रद्द : जानिए क्या है कारण ?

वाराणसी ब्यूरो : वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन 18 से 28 मार्च तक जंघई होते हुए प्रयागराज की ओर आएगी और जाएगी। यही नहीं, कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का प्लेटफार्म भी एक की बजाए छह या सात हो जाएगा। पहले ये ट्रेन प्रयागराज–प्रयागराज रामबाग–बनारस होते हुए वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन आती थी लेकिन, अब प्रयागराज–जंघई–वाराणसी के रास्ते चलाई जाएगी। वहीं, इसके अलावा पांच ट्रेनें भी अलग–अलग तिथि से लेकर 28 मार्च तक निरस्त रहेंगी। रेलवे ने यह निर्णय बनारस–प्रयागराज रेल खंड के झूसी–रामनाथपुर स्टेशनों के मध्य पैच दोहरीकरण कार्य और झूसी स्टेशन के यार्ड रिमाडलिंग के चल रहे कार्यों को देखते हुए लिया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक 18 से 25 मार्च तक प्री–इंटरलॉक एवं 26 से 28 मार्च तक नॉन इंटरलॉक कार्य किए जाने हैं। 28 मार्च को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया जाना है। ऐसे में ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। कैंट स्टेशन निदेशक गौरव दीक्षित ने बताया कि वंदेभारत एक्सप्रेस के रूट में बदलाव किया गया है। ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त 05196/05195 प्रयागराज रामबाग–बनारस–प्रयागराज रामबाग अनारक्षित विशेष गाड़ी 18 से 28 मार्च तक निरस्त रहेगी। 05169/05170 बलिया–प्रयागराज रामबाग–बलिया अनारक्षित विशेष गाड़ी 18 से 28 मार्च तक निरस्त रहेगी। 05173/05174 बनारस–प्रयागराज रामबाग–बनारस अनारक्षित विशेष गाड़ी 26 से 28 मार्च तक निरस्त रहेगी। 05137 मऊ–प्रयागराज रामबाग अनारक्षित विशेष गाड़ी 26 से 28 मार्च तक निरस्त रहेगी। 05138 प्रयागराज

रामबाग–मऊ अनारक्षित विशेष गाड़ी 27 एवं 28 मार्च को निरस्त रहेगी। मार्ग परिवर्तन दादर से 26 मार्च, 2023 को चलने वाली 01027 दादर–बलिया विशेष गाड़ी अपने निर्धारित मार्ग प्रयागराज–बनारस–वाराणसी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग प्रयागराज–जंघई–वाराणसी के रास्ते चलाई जाएगी। बलिया से 27 मार्च, 2023 को चलने वाली 01028 बलिया–दादर विशेष गाड़ी अपने निर्धारित मार्ग वाराणसी–बनारस–प्रयागराज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बनारस–जंघई–प्रयागराज के रास्ते चलाई जाएगी। अहमदाबाद से 26 मार्च, 2023 को चलने वाली 19421 अहमदाबाद–पटना एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग प्रयागराज–बनारस–वाराणसी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग प्रयागराज–जंघई–वाराणसी के रास्ते चलाई जाएगी।

भांकरी में बनेगा प्रदेश का पहला निजी औद्योगिक पार्क

अलीगढ़ ब्यूरो : प्रदेश के पहले निजी एमएसएमई औद्योगिक पार्क की स्थापना के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने जिलास्तरीय उद्योग बंधु की बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र सिंह को इसका प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए। प्लेज योजना के तहत जनपद के प्रमुख उद्यमी राकेश अग्रवाल उमा एक्सपोर्ट ग्रुप द्वारा जीटी रोड पर भांकरी पर औद्योगिक पार्क विकसित किए जाने की ओर कदम बढ़ाया गया है। डीएम ने कहा कि अलीगढ़ को ताले, हार्डवेयर और मूर्ति कारोबार से जाना जाता है। कारोबारी लंबे समय से औद्योगिक पार्क की मांग कर रहे थे, जहां सभी संसाधन उपलब्ध हो सकें। शासन से प्रस्ताव पास होते ही इसे मूर्त रूप दिया जाएगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र सिंह ने बताया कि ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट–2023 के दौरान जनपद के उद्यमियों एवं निवेशकों द्वारा एक निजी औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाने के संबंध में एमओयू साइन किया गया था। प्रदेश सरकार द्वारा इसी वर्ष घोषित प्लैज योजना के तहत विकसित किए जाने वाला यह पार्क जनपद का ही नहीं अपितु प्रदेश का पहला निजी क्षेत्र का औद्योगिक पार्क

होगा। इसमें उद्यमी 10 से 50 एकड़ की भूमि पर निजी औद्योगिक पार्क विकसित कर सकेंगे। तीन वर्ष तक यदि पार्क विकसित नहीं किया जाता है तो एक प्रतिशत ब्याज के स्थान पर छह प्रतिशत लगेगा। योजना शहर से सटे हुए भांकरी जीटी रोड से मात्र 600 मीटर की दूर है। 14.5 एकड़ भूमि का लैंड यूज औद्योगिक है। आठ करोड़ 30 लाख की लागत से बन रहे पार्क में नियमानुसार 75 प्रतिशत एमएसएमई को स्थान दिया जाएगा।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट

www.Desh ki upasana.com

का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

लखनऊ एम0ए0सी0टी0 बार एसोसिएशन लखनऊ का चुनाव हुआ संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट लखनऊ :एम0ए0सी0टी0 बार एसोसिएशन लखनऊ का चुनाव हुआ संपन्न । मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार शर्मा द्वारा चुनाव परिणाम घोषित किया गया। जिसमें अध्यक्ष

नंदकिशोर अग्रवाल ,महामंत्री अरविंद कुमार द्विवेदी ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष मध्य संजय सिंह ,व दुर्गेश गुप्ता ,उपाध्यक्ष कनिष्ठ सुखदेव कुमार ,कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, संयुक्त मंत्री वरिष्ठ पद अश्वनी कुमार, विवेक त्रिपाठी ,राजेश कुमार शर्मा कार्यकारिणी सदस्य अरविंद कुमार, रुपेश कुमार कोरी ,दिनेश कुमार, राजेश कुमार ,शिवेंद्र प्रताप सिंह,सुभाष चंद्र श्रीवास्तव ,कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती प्रतिका मिश्रा ,आशीष कुमार श्रीवास्तव, नवीन ,जितेंद्र कुमार ,मंगेश कुमार, उमेश कुमार निर्वाचित हुए।

बागपत पुलिस पर लगे गंभीर आरोप : भाजपा विधायक ने की प्रमुख सचिव गृह से जांच की मांग

बागपत पत्रकार विवेक जैन। साहिबाबाद के भाजपा विधायक व स्थानीय निकायों के लेखा–परीक्षा प्रतिवेदनों की जॉच संबंधी समिति के सभापति सुनील कुमार शर्मा द्वारा पत्रांक संख्या 33 दिनांक 17 मार्च 2023 के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव गृह से कोतवाली बागपत के प्रभारी की कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय जॉच कराने की मांग के साथ–साथ मृतक नरेन्द्र शर्मा के परिजनों पर दर्ज मुकदमें वापस कराने का आग्रह किया गया है। अपने पत्र के माध्यम से विधायक सुनील कुमार शर्मा ने

प्रमुख सचिव गृह को अवगत कराया कि 6 मार्च 2023 को बागपत के पावला बेगमाबाद गांव निवासी सेवानिवृत शिक्षक नरेन्द्र शर्मा की हत्या कर दी गयी थी, जिसकी अपराध संख्या 220, 2023 है। घटना में शामिल नामजद आरोपी विक्की ने मृतकों के परिजनों को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। 7 मार्च 2023 को मृतक के परिजन, समाज के लोग व भाजपा से जुड़े लोग बागपत जिलाधिकारी के यहां मृतक परिवार के लोगों की सुरक्षा व निष्पक्ष जांच के लिए ज्ञापन देने गये थे। बताया कि कोतवाली बागपत थानाध्यक्ष ने मृतक के परिजनों के साथ दुर्व्यवहार किया और मृतक के परिजनों मनोज कुमार, अनिल वशिष्ठ, सुनील, कैलाश सहित 35 से 40 महिला व पुरूषों पर धारा 147, 504, 352, 353, 341, 7 आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 1932 के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस की कार्यशैली से मृतक की पुत्रवधु गीता अत्यधिक मानसिक तनाव में आ गयी और 14 मार्च को उसकी मृत्यु हो गयी। भाजपा विधायक सुनील कुमार शर्मा ने प्रमुख सचिव गृह को भेजे पत्र में बताया कि उनको मौखिक रूप से बताया गया है कि घटना का आरोपी व थाना प्रभारी सजातीय है और आपस में सांठगांठ कर मृतक परिवार को दवाब में लेने के लिए मृतक परिवार के सदस्यों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। भाजपा विधायक सुनील कुमार शर्मा ने प्रमुख सचिव गृह उत्तर प्रदेश सरकार से कोतवाली प्रभारी बागपत की भूमिका की जांच करने व मृतक परिजनों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने का आग्रह किया है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

उनके पीछे चलो जिनकी सोच अच्छी हो, उनके बारे में साचो जिनकें कर्म अच्छे हों।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

समाजः क्यों टूट रही इंसान और कुत्ते की दोस्ती

आवारा कुत्तों की संख्या न बढ़े, उन्हें एंटी रेबीज, एंटी डिस्टेंपर टीके सही समय पर लगें– यह स्थानीय निकाय की जिम्मेदारी है, पर वह लापरवाह होता है।

राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद की एक सोसायटी में होली से पहले करीब 15 दिन धरना चलता रहा। मारपीट और मुकदमेबाजी भी हुई। यहां तक कि विधायक भी पहुंच गए। मामला था–सोसायटी परिसर में सड़क के कुत्तों को खाना खिलाने का। एक समूह का दावा था कि ये कुत्ते बच्चों को काटते हैं, गंदगी करते हैं। धीरे–धीरे इलाके की कई अन्य सोसायटियों से भी ऐसी आवाजें उठने लगीं। बैनर बने, नारे लगे, मोमबत्ती जुलूस भी निकाले गए। गौरतलब है कि जिस इलाके में यह सब हो रहा था, वहां टूटी सड़कें, जलभराव, ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण जैसे मसले वर्षों से हैं, लेकिन कभी किसी ने इन सब चीजों के लिए आवाज नहीं उठाई! दिल्ली–एनसीआर में हर जगह सड़क के कुतों को खाना खिलाने वाले और कुत्तों से डरने वालों में टकराव लगातार बढ़ रहा है।

इंसान और कुत्ते का साथ कोई बारह हजार साल से है। मनुष्य ने सबसे पहले कुत्ता पालना शुरू किया था। आदि काल में कुत्ता इंसान को शिकार करने, घर व फसल की सुरक्षा करने में मदद करता था। सबसे बड़ी बात कम भोजन में भी वफादार बने रहने के गुण ने कुत्तों को इंसानों का सबसे बड़ा विश्वसनीय साथी बना दिया। आज जानवरों में उसकी संख्या सर्वाधिक है। हाल ही में दिल्ली के रंगपुरी में दो छोटे भाइयों को आवारा कुत्तों ने नोच–नोच का मार डाला। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? असल में शहर में जमीन का संकट तो है ही, फिर बहुमंजिला इमारतों ने कुत्तों से वह देहरी भी छीन ली, जहां बैठकर वे बगैर पालतू बने ही चौकीदारी किया करते थे। समझना होगा कि हर कुत्ते का अपना इलाका होता है। जब कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ती है, तो उनका क्षेत्र कम हो जाता है और उसी के अनुसार उनका भोजन और सोने की जगहें भी बंट जाती हैं। ऐसे में कुत्ते असुरक्षित महसूस करते हैं और आक्रामक हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनिया में कुत्ते के काटने से होने वाले रैबीज से मौत के 36 प्रतिशत मामले भारत में होते हैं। रेबीज के 30 से 60 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 15 साल से कम होती है। इसके अलावा, कुत्तों में पीछा करने की आदत होती है। ऐसे में जो लोग कुत्ते को देखकर ही भागने लगते हैं, वे कुत्ते का शिकार बन जाते हैं। कुत्ते कमजोरों पर हमला करते हैं, इसलिए वे बच्चों और बूढ़ों पर हमला कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण अचानक मौसम बदलने या जाड़े एवं गर्मी के अचानक तीव्र होने को भी कुत्ते सहन नहीं कर पा रहे हैं। खतरा महसूस होने पर ही कुत्ते आक्रामक होते हैं। इसके अलावा, शोर, ट्रैफिक, प्रदूषण, कचरे से मांसाहारी खाने का चस्का लगना और वाहनों एवं परिसरों में रोशनी की चकाचौंध ऐसे कारण हैं, जो कुत्ते को हिंसक बना रहे हैं।

बहुत से लोग हमले की आशंका में ही कुत्तों के प्रति हिंसक हो जाते हैं। हालांकि शहर में बंदर या कस्बों में आवारा सांड अधिक नुकसान पहुंचाते हैं और कभी–कभी इंसानों की मौत का कारण बनते हैं। फिर भी बंदरों या सांड के प्रति उतनी नफरत नहीं दिखती। तो क्या इंसान के लिए कुत्ता सबसे निरीह जानवर है, जिस पर वह अपना गुस्सा निकाल सकता है?

आवारा कुत्तों की संख्या न बढ़े, उन्हें एंटी रेबीज, एंटी डिस्टेंपर टीके सही समय पर लगेंदृ यह स्थानीय निकाय की जिम्मेदारी है, पर वह लापरवाह होता है। कुत्तों के प्रति इंसानों की बढ़ती नफरत के मद्देनजर उत्तराखंड हाईकोर्ट का जुलाई, 2018 में दिया गया वह बयान महत्वपूर्ण है, जिसमें कहा गया कि–'जानवरों को भी इंसान की ही तरह जीने का हक है। वे भी सुरक्षा, स्वास्थ्य और क्रूरता के विरुद्ध इंसान जैसे ही अधिकार रखते हैं।'

जब तक समाज के सभी वर्गों तक यह संदेश नहीं जाता कि प्रकृति ने धरती पर इंसान, वनस्पति और जीव–जंतुओं को जीने का समान अधिकार दिया है, तब तक उनके संरक्षण को इंसान अपना कर्तव्य नहीं मानेगा। जीव–जंतु या वनस्पति अपने साथ हुए अन्याय का न तो प्रतिरोध कर सकते हैं और न ही अपना दर्द कह पाते हैं। इसलिए इंसानों को ही उनके प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

बदला मौसम का मिजाज, फसलों को नुकसान : अगले तीन दिनों तक बारिश के साथ आंधी और ओलावृष्टि के आसार

लखनऊ ब्यूरो : मौसम का मिजाज फिर बदला है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली–एनसीआर, राजस्थान, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड समेत देश के विभिन्न भागों में गरज के साथ हल्की बारिश हुई। यूपी में झांसी समेत कई जिलों में ओलावृष्टि भी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिन तक देश के अधिकतर भागों में हल्की बारिश के साथ आंधी व ओलावृष्टि के आसार हैं। यूपी के बाराबंकी में बिजली गिरने से एक की मौत हो गई। वहीं, कुशीनगर में बिजली गिरने से तीन लोग झुलस गए। बारिश के साथ चली तेज हवा यूपी में बारिश के साथ तेज हवा चली, जिससे फसलों को नुकसान हुआ है। गेहूं की फसल गिर गई है तो वहीं सरसों की फलियां टूट गईं। उधर आलू को वैसे तो कोई नुकसान नहीं हुआ पर इससे आलू की खोदाई अवश्य प्रभावित हुई। उधर मौसम विभाग आगे भी बारिश और तेज हवा चलने की आशंका जता रहा है। खास तौर से 20 व 21 मार्च को तेज बारिश होने की बात कही जा रही है। यानी किसानों के लिए अगला एक सप्ताह भी संकट भरा रहने वाला है। गुरुवार की रात अचानक बारिश शुरू हो गई। साथ ही तेज हवा भी चली। मौसम विभाग इसकी चेतावनी पहले ही दे चुका था। उधर गेहूं की जो फसल पक गई है वह बारिश के कारण बालियां टूटने से बुरी तरह से प्रभावित हुई। तेज हवा के कारण फसल गिर गई। उधर सरसों पर बारिश और हवा दोनों का बुरा असर पड़ा। आलू की खोदाई चल रही है। आलू किसान तो वैसे ही परेशान हैं। जहां बारिश हुई, वहां खोदाई रुक गई। इस बारिश से आम का बौर झड़ गया। पश्चिमी और मध्य यूपी में ज्यादा बारिश हुई। हालांकि मौसम विदों का कहना है कि 20 और 21 मार्च को बारिश व हवा की की तीव्रता अधिक रह सकती है। यूपी में अगले पांच दिनों तक गरज–वर्षा की संभावना सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विवि

के मौसम विज्ञानी डाक्टर यूपी शाही कहते हैं कि अगले पांच दिन तक अधिकांश स्थानों पर गरज के साथ मध्यम वर्षा की संभावना है। मेरठ, मुजफरनगर, बागपत, शामली, हापुड़, नोएडा, अलीगढ़, गाजियाबाद, रामपुर, बिजनौर में हल्की वर्षा, बदायूं संभल, फर्रुखाबाद, सहारनपुर में मध्यम वर्षा और बरेली, पीलीभीत में मध्यम से तेज वर्षा के आसार हैं। प्रयागराज, कौशांबी आदि में चना आदि फसलों की कटाई चल रही है। यदि आगे बारिश हुई तो नुकसान होगा। वाराणसी में हल्की बूंदाबांदी हुई पर यदि तेज बारिश हुई गेहूं, सरसों, आम को काफी नुकसान हो सकता है। उधर यदि बारिश तेज हो गई तो सभी सब्जियां प्रभावित होंगी। एडवाइजरी जारी कृषि विभाग ने खड़ी फसल में सिंचाई न करने को कहा है। जहां बारिश नहीं हुई और सरसों पक गई है वहां फसल की कटाई तत्काल करने की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि ओलावृष्टि हो गई गेहूं, सरसों आदि सभी फसलें ज्यादा प्रभावित हो जाएंगी। यदि फसल 15 से 20 फीसदी क्षतिग्रस्त हो गई हो तो साफ आसमान में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करने की सलाह दी जाती है। यदि ज्यादा नुकसान हो तो जायद के लिए खेत तैयार करें। इसके अलावा कटी फसल को पॉलीथिन से ढकने को कहा गया है। इस बारिश से मक्का, उर्द, मूंग में कम अंकुरण होगा। चना, मटर, मक्का, और मूंगफली के खेतों में जल जमाव के कारण बीज विस्थापन के परिणामस्वरूप खराब अंकुरण हो सकता है। इसी तरह तेज हवाएं फसलों को प्रभावित करेंगी।

आजमगढ़ में हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद : दो आरोपी गिरफ्तार : दो की तलाश जारी

आजमगढ़ ब्यूरो : यूपी एटीएस ने जिले से एक बार फिर हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। जजी के मैदान के पास से एटीएस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके पास से 10 पिस्टल, 20 मैग्जीन बरामद किया है। दो अन्य आरोपी मौके से भाग निकले है, जिनकी तलाश में जगह–जगह दबिश जारी है। चार के खिलाफ शहर कोतवाली में यूपी एटीएस ने मुकदमा पंजीकृत करा दिया है। यूपी एटीएस को कहीं से सूचना मिली कि आजमगढ़ जनपद के कुछ लोग अवैध असलहा कारोबार में अभी भी जुड़े है। इस सूचना पर एटीएस टीम काम करने लगी। जिले में एटीएस टीम पहुंची और शहर कोतवाली पुलिस को साथ लेकर मिली सूचना के आधार पर अवैध असलहा तस्करों की तलाश में जुट गई। लोकेशन ट्रैक करते हुए टीम जजी के मैदान के पास पहुंची और वहां से दो असलहा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दो अन्य मौके से भाग निकलने में सफल रहे। पकड़े गए असलहा तस्करों ने अपना नाम रामशब्द यादव निवासी जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र व संजय यादव निवासी गजहड़ा थाना मुबारकपुर बताया। दो फरार साथियों का नाम इन्होंने कमलेश कुमार यादव निवासी रसीदाबाद थाना कोतवाली जीयनपुर व जगदीश सरदार निवासी अनूपपुर मध्यप्रदेश बताया। पकड़े गए असलहा तस्करों के पास से एटीएस व शहर कोतवाली पुलिस ने 10 पिस्टल व 20 मैग्जीन बरामद किया है। शहर कोतवाली में चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

फरार आरोपियों की तलाश में अभी भी दबिश जारी है। बारह से अवैश असलहा लाकर इन आरोपियों द्वारा इसकी सप्लाई आजमगढ़ व आसपास के जिले में की जाती थी। पांच माह पूर्व बिलरियागंज में बरामद हुए थे अवैध असलहे इसके पूर्व यूपी एटीएस ने जनपद के बिलरियागंज थाना क्षेत्र के पतिलागौसपुर में दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध निर्मित व अर्ध निर्मित असलहे व बनाने के उपकरण आदि बरामद किया था। इस मामले में पुलिस ने तत्कला दो असलहा कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया था तो वहीं तीन अन्य की गिरफ्तारी बाद में हुई। मामले की जांच में जिले में स्थित काजी गन हाऊस की भी संलिप्तता इस प्रकरण में सामने आयी। जिस पर उसके संचालक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया।

गोरखपुर में विद्युत हड़ताल से चरमराई बिजली व्यवस्था,40 से ज्यादा उपकेंद्र बंद : पानी के लिए हर तरफ मचा हाहाकार

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : अभियंताओं और कर्मचारियों की गुरुवार रात 10 बजे से शुरू हुई 72 घंटे की हड़ताल से पूरे जिले में बिजली व्यवस्था पटरी से उतर गई है। 40 से ज्यादा उपकेंद्र बंद हो चुके हैं। इस कारण तीन लाख से ज्यादा घरों को बिजली नहीं मिल रही है। महानगर में संविदा कर्मियों के काम करने के बावजूद ज्यादातर उपकेंद्र बंद पड़े हैं। शुक्रवार सुबह टाउनहॉल उप केंद्र में लगा 7.50 एमबीए के ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इससे जिला अस्पताल की भी बिजली बंद हो गई है। अस्पताल में जांच कराने के लिए आने वाले रोगी और तीमारदार परेशान घूम रहे हैं। हर तरफ दिख रहा हड़ताल का असर : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में शुरू हुई हड़ताल का असर हर जगह देखने को मिल रहा है। बिजली न होने के कारण सबसे ज्यादा संकट पानी का खड़ा हो गया है। ज्यादातर घरों में इनवर्टर भी बंद हो गए हैं। मोहद्दीपुर में अभियंता और कर्मचारी मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने धरना दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक सरकार और प्रबंधन उनकी मांगें नहीं मान लेता हड़ताल खत्म नहीं की जाएगी। यदि प्रशासन गिरफ्तारी या उत्पीड़न करेगा तो हड़ताल को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया जाएगा। उपकेंद्रों पर हैं लेखपाल पर बेबस : प्रशासन ने उपकेंद्रों पर लेखपालों को तैनात किया है लेकिन तकनीकी जानकारी न होने के कारण वह भी संविदाकर्मियों के साथ बस इधर से उधर घूम रहे हैं। हालांकि लेखपाल संघ ने उपकेंद्रों पर लेखपालों की तैनाती का विरोध शुरू कर दिया है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि कोई भी लेखपाल उपकेंद्र पर काम नहीं करेगा। यह उपकेंद्र हैं बंद : मछलीगांव,कैंपियरगंज ग्रामीण,सोनौरा, पीपीगंज, नेतवर, सिंघोरवा, जंगल कौड़िया, सरहरी, एफसीआई गोरखपुर, कैंपियरगंज तहसील, अमहिया, चौरीचौरा, मुंडेरा, खुटहन, सरदारनगर, जगदीशपुर, नैयापार, भटहट, बड़हलगंज, डेरवा, पादरी बाजार, घघसरा, पाली, खजनी, सहजनवां तहसील, सहजनवां ग्रामीण, अहिरौली, चौनपुर, कल्याणपुर मठिया, बांसगांव ग्रामीण, बांसगांव तहसील, बिधनापार, धुरियापार, रानीपुर, कौड़ीराम, हरपुर अनंतपुर, गोला बाजार, गोला तहसील, हरिहरपुर, नौसढ़, सेवई, खजनी तहसील।

एससीओ के पर्यटन कैलेंडर में शामिल होगी काशी : विश्वनाथ धाम और सारनाथ को भी मिलेगी जगह

वाराणसी ब्यूरो : एससीओ देशों के पर्यटन कैलेंडर में काशी के सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन स्थलों को शामिल करने पर सहमति बनी है। इससे पर्यटन उद्योग को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पर्यटन मंत्रियों के समूह से पहले पर्यटक विशेषज्ञ कार्य समूह के सदस्य भी वाराणसी आए थे। इन सबने पर्यटन से संबंधित जो प्रस्ताव तैयार किया था, उसे मंत्री समूह ने हरी झंडी दे दी है। इसके तहत काशी विश्वनाथ धाम, तथागत की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ और बनारस की धरोहरों की भी जानकारी दी जानी है। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रोजगार की संभावना बढ़ेगी। दरअसल, वाराणसी को एससीओ देशों का पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित किया गया है। अब एससीओ देबों के बीच अंतर सांस्कृतिक और शैक्षणिक आयोजन होंगे। इससे एक दूसरे देश के सभ्यता ,संस्कृति की जानकारी मिल सकेगी। एससीओ देशों के समूह में दुनिया के आठ देश शामिल हैं। आज गंगा आरती देखेगा मंत्रियों का समूह एससीओ देशों के पर्यटन मंत्री शनिवार को गंगा आरती भी देखेंगे। दशाश्वमेध घाट पर आरती देखेंगे, फिर नमो घाट से क्रूज पर सवार होकर घाटों को देखने जाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम जाकर दर्शन–पूजन भी कर सकते हैं। सारनाथ भी जाने का कार्यक्रम है। इनकी रही

मौजूदगी बैठक में कजाकिस्तान के संस्कृति और खेल उप–मंत्री येरजान येरकिनबायेव, चीन के संस्कृति और पर्यटन उप–मंत्री लू यिंग चुआन, किर्गिज गणराज्य के संस्कृति उप–मंत्री सामत बेक्तुरोविच शतमानोव और उज्बेकिस्तान गणराज्य के पहले संस्कृति और पर्यटन उप–मंत्री आजमोव उलुगबेक एक्समातोविच ने हिस्सा लिया। रूस के आर्थिक विकास उप–मंत्री व्लादिमीर एवगेनविच इलिचेव, ताजिकिस्तान गणराज्य की पर्यटन विकास समिति के अध्यक्ष मुमिनजोद कमोलिद्दीन व पाकिस्तान के पर्यटन और खेल सलाहकार औन चौधरी ने ऑनलाइन हिस्सा लिया।

होली का त्योहार समाज में एकता और भाईचारे के साथ सौहार्द लाता है –रजनी तिवारी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आवास विकास कालोनी के समीपस्थ आयोजित होली मिलन समारोह में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि होली का हर रगं हमें संदेश देता है।हमें इन संदेशो को अपने जीवन मे अपनाकर जीवन को और भी सुगम बनाना चाहिये। होली का त्यौहार रंगो, हर्ष, उल्लास और भाईचारे का प्रतीक है।होली में हमें जीवन में कुछ अलग करने का संकल्प लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि होली के रंग–बिरंगे रंग समाज में आपसी भाईचारा, उल्लास और उमंग के रंग भरते है।यह देश का एक अनोखा त्यौहार है। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने कहा कि परिवार के साथ त्यौहार मनाना एक बेहद सुखद अहसास की अनुभुति देता है । उन्होंने कहा कि आनन्द, उमंग, हर्ष, उल्लास और एकता का यह पर्व आमजन के जीवन में नया रंग भर देता है । जो उन्हें समाज में प्रेम, सदभाव और प्यार से रहने के लिए प्रेरित करता है । समारोह में दिव्यांगों को ट्राई साइकिल का भी वितरण उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के कर कमलों से किया गया।उपजिलाधिकारी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार नरेन्द्र कुमार यादव, कानूनगो आशीष शुक्ला, नरेन्द्र द्विवेदी के अलावा ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र,जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत,भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, भाजपा नेता राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, पूर्व प्रधान विकास मिश्र, भाजपा जिला महामंत्री सत्येन्द्र कुमार सिंह राजपूत, अक्षय प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गोरखपुर महिला थाने में किन्नरों के दो गुटों में मारपीट : केस दर्ज

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर महिला थाना परिसर में शुक्रवार को किन्नर सुरक्षा प्रकोष्ठ के कार्यालय के लोकार्पण के दौरान दो गुटों में मारपीट हो गई। महिला पुलिसकर्मियों ने किसी तरह स्थिति पर काबू पाया। कैंट पुलिस दोनों

पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, महिला थाना परिसर में स्थित पुलिस कंट्रोल के दूसरे तल पर बने किन्नर सुरक्षा प्रकोष्ठ के कार्यालय का शुक्रवार दोपहर में लोकार्पण होना था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कुछ किन्नर पहले से पहुंचे थे। इसी दौरान किन्नर समाज की महामंडलेश्वर कनकेश्वरी देवी पहुंच गई और दूसरे गुट को फर्जी बताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने समझाने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी। मामला बढ़ने पर एक पक्ष के किन्नर को पुलिस ने सुरक्षित महिला थाने के कमरा में बंद कर मामला शांत कराने का प्रयास किया तो महामंडलेश्वर व उनके समर्थक थाने के अंदर पहुंच गए।कमरे में रखे गए दूसरे गुट के एक किन्नर को पीट दिया। कनकेश्वरी देवी का आरोप है कि कार्यक्रम में पुलिस ने फर्जी लोगों को बुलाया था। महामंडलेश्वर होने के बाद भी उन्हें सूचना नहीं दी गई।

क्रूड आयल पहुंचा $70 प्रति बैरल : महंगाई जस का तस

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : क्रूड आयल +70 डालर प्रति बैरल से नीचे पहुंचा फिर भी महंगाई जस के तस मध्यम वर्गीय परिवार महंगाई से है हाल बेहाल कब लगेगा महंगाई पर लगाम बढ़ती महंगाई से आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है और ऊपर से युवाओं की नौकरियों नहीं लग रही हैं आज भी कम रुपये में लोग नोकरी करने पर विवश हैं और मध्यवर्ग की परेशानी चार गुना भड़ गई है!कुछ समय पहले जब बाजार में रोजमर्रा की जरूरत की कुछ चीजों की कीमतों में गिरावट आई थी तब यह उम्मीद जगी थी कि महंगाई के लंबे दौर से लोगों को शायद धीरे–धीरे राहत मिल सकेगी!लेकिन अब एक बार फिर महंगाई ने बढ़ोतरी का जो रुख अख्तियार किया है उससे राहत की उम्मीद एक बार फिर धुंधली पड़ने लगी है!थोक महंगाई में नरमी के रुख के बावजूद आम लोगों को जरूरी वस्तुओं की कीमतों के स्तर पर न कोई राहत नहीं मिली बल्कि पहले ही इस समस्या से जूझते लोगों की मुश्किलें और गहरी हुईं! क्रूड आयल +70 प्रति बैरल सैनी के पहुंचने के बाद भी महंगाई जस की तस बनी हुई है सरकार को कठोर कदम उठाकर रोजमर्रा की वस्तुओं को नियंत्रित करते हुए डीजल पेट्रोल गैस सिलेंडर के दरों में भारी कटौती करते हुए महंगाई पर लगाम लगाया जा सकता है दरअसल खासतौर पर खाने–पीने के सामानों के दामों में बढ़ोतरी का असर मुख्य रूप से इससे जुड़ा होता है कि लोगों की आमदनी कितनी संतोषजनक है और उनकी क्रयशक्ति की सीमा क्या है!अगर वस्तुओं की कीमतों में इजाफे के समांतर लोगों की आय में भी बढ़ोतरी होती है तो इसे एक बोझ के तौर पर नहीं देखा जाता है! करीब तीन साल पहले महामारी की वजह से हुई पूर्णबंदी का बाजार से लेकर कामकाज या रोजगार के सभी क्षेत्रों पर जो असर पड़ा था उससे अब धीरे–धीरे राहत मिल रही है लेकिन उसके नतीजे आज भी देखा व महसूस किए जा सकता हैं कि बाजार में जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों की हरकतें छिपी नहीं रही हैं! इसलिए अगर कई तरह की चुनौतियों के बीच सरकार आम लोगों को महंगाई और आय के मोर्चे पर राहत देने के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति रखती है तो डीजल पेट्रोल गैस सिलेंडर के दामों में भारी कटौती करनी होगी और खाने–पीने के सामान की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार करना होगा तभी महंगाई पर पूर्ण रूप से लगाम लग सकेगा।

हस्तिनापुर में 'कृषक संगम' में कल शामिल होंगे मोहन भागवत : दो दिन सैलानियों हेतु बंद रहेगा जंबूद्वीप

मेरठ ब्यूरो : भारतीय किसान संघ के तत्वावधान में हस्तिनापुर के जंबूद्वीप पर शुक्रवार से शुरू हुए गो आधारित जैविक कृषि 'कृषक संगम' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहनराव भागवत 19 मार्च को शामिल होंगे। इसे देखते हुए जंबूद्वीप शनिवार व रविवार को सैलानियों के लिए बंद रहेगा।ध्भागवत के कार्यक्रम को देखते हुए एडीजी और आईजी ने जंबूद्वीप स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के दिशा निर्देश दिए। एडीजी राजीव सभरवाल, आईजी नचिकेता झा, एसपी देहात अनिरुद्ध सिंह, सीओ आशीष शर्मा, थाना प्रभारी बच्चू सिंह के साथ जंबूद्वीप स्थल पर होने वाले डॉ. मोहनराव भागवत के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जंबूद्वीप के अंदर पैदल मार्च कर सभी सुरक्षा व्यवस्था की जांच की और उसके बाद पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई दिशा निर्देश दिए। आईजी नचिकेता झा ने जंबूद्वीप में हर गतिविधि की जानकारी ली अगले दो दिन जंबूद्वीप को सैलानियों के लिए बंद करने के निर्देश दिए। कृषक सम्मेलन में माछरा से पहुंचे किसान भारतीय किसान संघ के तीन दिवसीय जैविक कृषि कृषक सम्मेलन में माछरा से अनेक कार्यकर्ता हस्तिनापुर पहुंच गए हैं। माछरा से भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी के नेतृत्व में राकेश त्यागी, अश्वनी त्यागी, शिवकुमार शर्मा, कृष्ण शर्मा, शिवनन्दन त्यागी, अवधेश त्यागी आदि करीब एक दर्जन किसान भाग लेने के लिए पहुंचे। जंबूद्वीप के बंगला नंबर 10 में रुकेंगे मोहन भागवत पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहन राव भागवत के कार्यक्रम को देखते हुए उनके रुकने के लिए जंबूद्वीप में बंगला नंबर 10 तैयार किया है। जहां पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध हैं। एडीजी ने बंगले के अंदर जाकर निरीक्षण किया और आसपास कड़ी सुरक्षा के दिशा निर्देश पुलिस कर्मियों को दिए। शनिवार को हस्तिनापुर पहुंच सकते हैं भागवत भारतीय किसान संघ के कार्यक्रम में मोहन भागवत जैविक खेती के साथ गो आधारित खेती के बारे में किसानों को बताएंगे। वह शनिवार शाम तक जंबूद्वीप पहुंच सकते हैं। जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे और रविवार को किसानों को प्राचीन दिगंबर जैन बड़े मंदिर के मोती धनुष अयोध्यापुरी मंडप में किसानों को संबोधित करेंगे।

संगत पंगत के पदाधिकारियों का हुआ सपथ ग्रहण : पंकज हैप्पी जिलाध्यक्ष दीपक बने उपाध्यक्ष

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सामाजिक संगठन संगत पंगत जौनपुर का शपथ ग्रहण समारोह में जिले के नवनिर्वाचित पदाधिकारीओ को डॉ अरुण कुमार सक्सेना जी वन मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने पद एवम गोपनीयता की शपथ ग्रहण कराया वाराणसी कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव की मौजूदगी में संगत पंगत जौनपुर जिलाध्यक्ष पद पर पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ने शपथ लिया, जिला महासचिव पद पर अजय वर्मा अज्जू, जिला कोषाध्यक्ष पद पर शरद श्रीवास्तव ने व वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष पद पर संतोष निगम, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार , राजेश श्रीवास्तव ओलंदगंज, डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव,संजीव कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट जिला उपाध्यक्ष पद पर अनुपम श्रीवास्तव संतोष कुमार श्रीवास्तव सोनू अनिल श्रीवास्तव विक्की अमर श्रीवास्तव, रजनीश श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव शाहगंज, प्रवीण श्रीवास्तव शाहगंज डॉ विजय श्रीवास्तव संजीवनी,विजय कुमार श्रीवास्तव गायक ने शपथ लिया वही महासचिव संगठन पद पर अभय कुमार श्रीवास्तव एस एस इलेक्ट्रिक, मीडिया प्रभारी अंकित श्रीवास्तव पत्रकार सह कोषाध्यक्ष अनीस

श्रीवास्तव ने व जिला सचिव पद पर संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, नीरज श्रीवास्तव कज्जु, आलोक श्रीवास्तव शानू सुंदर नगर, रुद्र प्रताप श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव शाहगंज रविकेश श्रीवास्तव गोल्डी, विवेक अस्थाना शाहगंज,ने सपथ लिया वही महिला जिलाध्यक्ष पद पर श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव ने शपथ लिया। इन लोगो के शपथ ग्रहण करने पर संगत पंगत के संस्थापक श्री आर के सिन्हा जी पूर्व सांसद, प्रदेश अध्यक्ष मनोज लाल एडवोकेट, प्रदेश महामंत्री राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिया।

समरसता और भाईचारे का त्योहार है होली – बृजेश सिंह प्रिंशु

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : होली ऊंच–नीच अमीरी गरीबी जात पात के भेदभाव को भूलाकर आपसी भाईचारे और समरसता का त्यौहार है एक दूसरे से गले मिलने का परिचायक है कि हम सब एक हैं। उपरोक्त बातें विद्यान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशू ने नगर के एक लॉन में नगर कोटेदार संघ द्वारा आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही साथ ही उन्होंने कहा कि सब कोटेदार जनता से जुड़े हुए हैं सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करके हर इंसान को गल्ला पहुंचाने वह खुशी देने का कार्य कर रहे हैं विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिनेश टंडन ने कहा कि इस तरह के त्यौहार व कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए किससे आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ता है विशिष्ट अतिथि राजेश तिवारी प्रदेश अध्यक्ष कोटेदार संघ ने कहा कि नगर कोटेदार संघ ने एक मिसाल कायम किया है एक पहल किया है हम सभी कोटेदार एक हैं कार्यक्रम की शुरुआत लोकगीत व भजन गायक अभिषेक मयंक व कुसुमलता सोनकर ने मां की वंदना से किया उसके बाद एक से बढ़कर एक होली गीत फगुआ गाकर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया ।आए हुए अतिथियों को चंदन का तिलक लगाकर माला पहना कर व साफा बांधकर स्वागत कोटेदार संघ के लोगों ने किया इस अवसर

पर कर्मचारी नेता राकेश श्रीवास्तव, भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा, शशांक सिंह रानू ,पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार, श्रवण जायसवाल गांधी, अरविंद बैंकर, राधे रमण जायसवाल, सोमेश्वर केसरवानी श्याम रतन श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव गुड्डू ,संजय अस्थाना पत्रकार, दिनेश फौजी, विद्युत कर्मचारी संघ के निखिलेश सिंह, प्रभारी जिलापूर्ति अधिकारी पंकज सिंह, पूर्ति निरीक्षक आशुतोष त्रिपाठी, अनिता दुबे , पंकज यादव, रकेश यादव, नगर उपाध्यक्ष सरोज श्रीवास्तव, महामंत्री समीमुल्ला, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, संयोजक मंडल में संतोष गुप्ता अनुज जायसवाल आदिल शेख मनोज जायसवाल संतोष यादव अमरनाथ पारसनाथ संतोष श्रीवास्तव ईश्वर चंद आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन कृष्ण कुमार जायसवाल व आभार कार्यवाहक जिलाध्यक्ष दया शंकर निगम ने किया।

अभी तक बने संगठनों ने कोई कार्य नही किया जिसके कारण आज कायस्थ समाज उपेक्षित है –मनीष श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिले में दो दिवसीय प्रवास पर आए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 दिल्ली के राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार श्रीवास्तव का उनके संगठन के लोगो ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के नगर के हुसेनाबाद मोहल्ले में स्थित आवास जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर मनीष श्रीवास्तव ने पत्रकारो को बताया कि उनका संगठन गैर राजनीतिक है स्वामी विवेकानंद की विचारधार पर कार्य कर रही है केवल कायस्थ हितों को ध्यानार्थ रखती है । उन्होंने साफ आरोप लगाया कि अभी तक बने संगठनों ने कोई कार्य नही किया जिसके कारण आज कायस्थ समाज उपेक्षित है। उन्होंने अब तक के अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि 10 से 15 वर्षो से शादी विवाह में परिजय पद्धत्ति खत्म होने के कारण शादी विवाह में मैचिंग का रिश्ता नही मिल रहा जिसके कारण बच्चे अंतर जातीय शादियां कर रहे है यह

समाज के लिए घातक है। दूसरी समस्या बेरोजगारी है , हमारा समाज केवल क्लर्क ग्रेड तक सीमित रहा व्यापार की तरफ कोई ध्यान नही दिया लेकिन अब कायस्थ परिवार को अपग्रेड होने की आवश्यकता है। तीसरी कि हम लोगो मे परिवारिक दूरियां बढ़ रही हैं जमीनें खत्म हो रही है ऐसे में सभी चिंतन करने की जरूरी है।इस मौके पर राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया राष्ट्रीय महासचिव, अनुपम श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव लाइन बाजार, दीपक श्रीवास्तव पत्रकार, राजीव श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव सहित आदि लोग उपस्थित थे ।

जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति की बैठक सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में 17 मार्च 2023 सायं कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में जिला स्वच्छता समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत ग्राम पंचातयों में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान विकास खण्ड शाहगंज, केराकत एवं सिरकोनी की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुये प्रभारी सहायक विकास अधिकारी (पं०) शाहगंज लक्ष्मी चन्द्र को प्रभार से हटाते हुये कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने, सहायक विकास अधिकारी (पं०) सिरकोनी हेमन्त श्रीवास्तव व सहायक विकास अधिकारी (पं०) रामपुर अवध नरायन को कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने एवं सहायक विकास अधिकारी (पं०), विकास खण्ड जलालपुर मुमताज अहमद को निलम्बित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही समस्त खण्ड विकास अधि

ाकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (पं0) को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक के अनुसार समयान्तर्गत पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर समस्त एडीओ पंचायत को अपेक्षा के अनुरूप कार्य करने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 15 दिन के अंदर आरआरसी सेंटर बना लिया जाए। जिलाधिकारी ने सुईथाकला के एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत पूराअसालत खा विकास खंड सुईथाकला में जमीन खरीद कर ग्राम सचिवालय और सामुदायिक शौचालय का जल्द से जल्द निर्माण कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी राम अक्षयबर चौहान, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

20 मार्च 2023 को एक दिवसीय जागरुकता शिविर का किया जायेगा आयोजन

जौनपुर सू.वि. : जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड जौनपुर यू0पी0 सिंह ने अवगत कराया है कि 20 मार्च 2023 को अपरान्ह 03.00 बजे राजकीय पालिटेक्निक जगदीशपुर जौनपुर में एक दिवसीय जागरुकता शिविर का आयोजन किया जायेगा। उक्त जागरुकता कार्यक्रम में विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम यांजना एवं मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजनाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। जनपद मे निवास करने वाले ऐसे बेरोजगार नवयुक्त/युवतियां जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो तथा कक्षा 8 या, उससें अधिक उत्तीर्ण हो तथा उपयुक्त टेडो में प्रशिक्षण प्राप्त हा जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

बजट में व्यापारियों के हित के लिए व्यवस्था की गयी है –राजनाथ सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल का होली मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह रामलीला मैदान में सम्पन्न हुआ। अमरनाथ मिश्र ने बताया कि प्रथम सत्र की शुरूआत .पंकज सिंह विधायक नोएडा एवं.बनवारीलाल कंछल प्रांतीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। पंकज सिंह को मंचासीन पदाधिकारियों ने अंग वस्त्र और मोमेंटो केदार नाथ मंदिर का

चित्र एवं तस्वीर देकर सम्मानित किया। बनवारीलाल कंछल को अंगवस्त्र मोमेंटो देकर सम्मानित किया। आज एक समरसता ये दिखी कि सारे लखनऊ के व्यापारियों ने एक साथ शपथ ली कोई न तो अध्यक्ष अलग था न तो कार्यकारिणी सदस्य सब एक साथ थे। विधायक पंकज सिंह ने नव निर्वाचित पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। विधायक ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमें सम्मानित मंच पर आने का मौका दिया है इसके लिए सभी को धन्यवाद और निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। बनवारी लाल कंछल ने संबोधित करते हुए कहा कि आज जो हमारे नव निर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ महामंत्री कोषाध्यक्ष चेयरमैन हम सभी पदाधिकारियों को हमारी तरफ से बधाई हम ऊर्जावान अध्यक्ष महामंत्री को बहुत बहुत बधाई । चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे रक्षामंत्री व लखनऊ के सांसद एक तुलसी और नीम के पेड़ के समान है तुलसी और नीम के पत्ते खाने के बाद आराम मिल जाती है उसी प्रकार सांसद जी की छाँव में रहने से ही सभी समस्याएँ स्वतः समाप्त हो जाती है। सचेतक अनिल विरमानी ने संबोधित करते हुए कहा कि रक्षामंत्री जब हमारे मुख्यमंत्री थे तब भी उनके दरवाजे व्यापारियों के लिए खुले रहते थे आज भी नई दिल्ली में व्यापारियों के लिए उनका दरवाजा खुला रहता हैं जिसके लिए हम उनका बहुत बहुत आभार व्यक्त करते है। अध्यक्ष अमर नाथ मिश्र ने संबोधित करते हुए कहा कि आप जैसे लखनऊ के सांसद एवं देश के रक्षा मंत्री को प्राप्त का देशवासियों एवं लखनऊ के निवासी अभिभूत हैं जहाँ एक तरफ आपके रक्षामंत्रित्व काल में देश की सेना का मनोबल बढ़ा है और सभी सीमाओं पर हमारे सैनिक दुश्मन की आँख से आँख डाल का दुश्मनों को पीछे हटने को मजबूत नहीं करते बल्कि अंदर घुस कर मार रहे हैं वहीं दूसरी तरफ देश में स्व– निर्मित आयुधों का उत्पादन बढ़ा है हम आज निर्यात भी कर रहे है आपके ऐसे चमत्कारी व्यक्तित्व की तुलना लोह पुरुष के रूप में की जा सकती है एक तरफ जनता के प्रति आपका समर्पण लगाव एवं पितृत्व भाव संरक्षण देता है वही रक्षामंत्री के रूप में आपका पराक्रम दुश्मन को पीठ दिखाने को मजबूर करता है। रक्षामंत्री को पाँच पन्ने का एक व्यापारियों की समस्या का ज्ञापन भी सौंपा जिसे सभी व्यापारियों के सामने पढ़कर सुनाया और व्यापारियों की समस्या को रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह को अवगत कराया। अध्यक्ष ने माँग की कि विदेशों की भाँति खुदरा व्यापार को बचाने के लिए ऑनलाइन कारोबार को अंकुश आवश्यक है ऑनलाइन बिक्री पर 10प्रतिशत का शेस लगाया जाए अथवा राज्य सरकार के द्वारा स्थानीय कर में 10 प्रतिशत शुल्क लगाया जाए। प्रधानमंत्री योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा का लाभ व्यापारियों को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री व्यापारी पेंशन का दायरा बढ़ाना चाहिए व्यापारी अपने द्वारा जमा किए गए ळैज कर के अनुपात में पेंशन का हकघ्दार बन सके आयु सीमा 60 वर्ष होनी चाहिए क्योंकि व्यापारी आजीवन व्यापार में कार्यरत रहता है। बांग्लादेश में रेडीमेड का कारोबार बढ़ने का कारण सामान पर प्रणाली है भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन की सुविधा सरकार से प्राप्त है इसलिए रेडीमेड वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने के लिए पाँच प्रतिशत ळैज की दर होनी चाहिए इसी तरह जूता चप्पल पर भी कर की दर 5: होनी चाहिए क्योंकि यह एक बड़ा चमड़ा उद्योग एक कुटीर उद्योग है । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण कानून में ळैज की भाँति एक ही पंजीयन पर दुकान गोदाम की सुविधा होनी चाहिए शैंपलिग का रिजल्ट विलंब से आने के कारण उतने दिन विभाग द्वारा स्टॉक माल को सीज कर देते है प्रत्येक अधिकारी के साथ एक आधुनिक टेस्टिंग किट उपलब्ध हो यदि मानक में कोई खघस बात न हो तो उस माल को सीज न किया जाए सैंपलिग गलत होने पर निर्माता कंपनी पर कार्रवाई की जाए व्यापारी का उत्पीड़न न किया जाए। ड्रग लाइसेंस लेते समय ही फूड लाइसेंस भी दिया जाए क्योंकि कागजों की लिखापढ़ी एक समान है। वरिष्ठ मंत्री पवन मनोचा जीने संबोधित करते वे कहा कि अन्य प्रदेशों की भांति लखनऊ के रिफ्यूजी मार्केट के व्यापारियों का स्वामित्व आज के क्ड सर्किल रेट के हिसाब से मिल जाना चाहिए। वह डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए पहुँच जरूरी है कि खुदरा एवं थोक व्यापारियों को सरकार का सर्वेक्षणों प्रोत्साहन प्राप्त होना चाहिए। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जो हमें ज्ञापन दिया है इसमें केंद्र सरकार से संबंधित समस्याओं के लिए सत्र समाप्त होते ही एक दिन समय लेकर सभी समस्याओं के लिए वित् मंत्री या अन्य जिसकी भी जरूरत होगी उनके साथ एक बैठक दिल्ली में कराकर सभी समस्या हल करायी जायेंगी राज्य की समस्या उप मुख्य मंत्री ब्रजेश पाठक देख लेंगे यदि हमारी भी जरूरत पड़ेगी तो मै पूरा प्रयास करूँगा। बजट में व्यापारियों के हित के लिए व्यवस्था की गयी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सभी व्यापारियों को बधाई देते हुए कहा कि व्यापारियों के हित में मेरी सरकार कार्य कर रही है।

जिले में अतीक का तो स्कूल में असद का चलता था सिक्का : हारने पर छात्रों : अध्यापकों की कर दी थी पिटाई

प्रयागराज ब्यूरो : उमेश पाल हत्याकांड में पांच लाख के इनामी शूटर असद के एक से बढ़कर एक कारनामे सामने आ रहे हैं। कुछ साल पहले स्कूल में एक प्रतियोगिता हारने पर उसने न सिर्फ जीतने वाले सहपाठियों बल्कि बीच बचाव करने वाले अध्यापकों को भी पीट दिया था। अतीक के अन्य बेटे भी कम नहीं थे। कॉलेज में क्रिसमस मेला पर जब वे चलते थे तो पीछे सौ डेढ़ सौ लड़कों का हुजूम चलता था। किसी भी स्टाल पर मुफ्त में खा लेना। किसी भी झूले पर एक डेढ़ घंटे के लिए कब्जा कर लेना आम बात थी। अतीक के पांचों बेटे शहर एक प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ते थे। जिले में अतीक का खौफ तो स्कूल में अतीक के बेटों का। तीसरे नंबर का बेटा असद मारपीट करने में काफी कुख्यात था। उससे बड़ी उम्र के लड़के आपस के विवाद उसके सामने लेकर जाते तो वह मामलों को सुलझाता था। बड़ी बड़ी महंगी गाड़ियों से असद स्कूल पहुंचता तो उसे लड़के घेर लेते। कुछ साल पहले स्कूल के स्पोर्ट्स डे पर रस्साकशी प्रतियोगिता में एक टीम को असद लीड कर रहा था। उसकी टीम हार गई। वह हार से इतना बौखला गया कि जीतने वाली टीम के लड़कों को वह पीटने लगा। जब अध्यापकों ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने अध्यापकों पर हाथ उठा दिया था। उस दिन स्कूल का मैदान अभिभावकों से भरा था। लोगों में काफी आक्रोश भी था लेकिन, अतीक का नाम सामने आने के बाद सब शांत हो गए थे। यहां तक स्कूल के प्रधानाचार्य ने भी मामला दबाने की काफी कोशिश की। किसी ने भी थाने में शिकायत नहीं दर्ज कराई थी। उस समय सोशल मीडिया पर मामले को दबाने के लिए प्रधानाचार्य को काफी खरी खोटी सुनाई गई थी। असद ही नहीं अतीक के अन्य बेटों का भी कॉलेज

में यही हाल था। बड़े बेटे उमर को तो कॉलेज कैप्टन तक बना दिया गया था। उनकी दबंगई से स्कूल वाले भी त्रस्त थे। बेटों की असली दबंगई स्पोर्ट्स डे और क्रिसमस मेले के दौरान देखी जाती थी। सौ डेढ़ सौ लड़कों के साथ अतीक के बेटे निकलते तो किसी को कुछ समझते ही नहीं थे। छोटे दुकानदारों की पूरी दुकान ही साफ कर देते। घंटों झूलों पर सिर्फ अतीक के बेटों के दोस्त झलते, वह भी बिना पैसे दिए। अतीक के नाबालिग बेटे की थी हर्ष फायरिंग, वीडियो वायरल अतीक अहमद के नाबालिग बेटे ने 2017 में एक शादी समारोह में खुलेआम फायरिंग की थी। उस समय नाबालिग बेटे की उम्र लगभग 10 साल रही होगी। वायरल वीडियो में अतीक का नाबालिग बेटा शादी समारोह में सैकड़ों लोगों के सामने हवाई फायर कर रहा है। पीछे से तमाम लोग उसकी सराहना करते हुए चलाओ चलाओ की आवाज लगा रहा हैं। सामने बैठे लोग हंसते हुए दस साल के बच्चे को फायरिंग करते देख रहे हैं। हर्ष फायरिंग किस इलाके में और किसके शादी समारोह की गई थी, यह पता नहीं चल पाया है। वीडियो शुक्रवार को शहर में चर्चा का विषय बन गया। लोगों ने कहा कि अतीक ने अपने बेटों को बचपन से ही फायरिंग की ट्रेनिंग दी थी, तो वे अपराध की दुनिया में क्यों नहीं जाएंगे।

सांसद वीपी सरोज के गुर्गों ने कलेक्ट्रेट परिसर में एसपी ऑफिस के सामने पत्रकार को पीटा : पत्रकारो में आक्रोश

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मछलीशहर के सांसद वीपी सरोज के गुर्गों ने कलेक्ट्रेट परिसर में एसपी ऑफिस के सामने योगीराज की कानून व्यवस्था की जमकर धज्जियां उड़ाते हुए एक पत्रकार को बुरी तरह पीटा दिया । मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं व वादकारियों ने किसी तरह से पत्रकार की जान बचाई। हैरत की बात यह रहा कि खुलेआम कानून व्यवस्था को तार तार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने के बजाय सिटी मजिस्ट्रेट उल्टे पत्रकारों को ही जेल भेजने की धमकी दे डाला। पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पत्रकारों के दबाव में किसी तरह पुलिस ने आरोपी दो सांसद के गुर्गों को गाड़ी सहित हिरासत में ली।

मान्यवर काशीराम सामुदायिक भवन में किया गया संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर के मान्यवर काशीराम सामुदायिक भवन में किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर मौजूद फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने ने समस्त एस०ओ० को निर्देशित किया है कि प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाये। इस मौके पर 93 फरियादियों द्वारा प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया जिसमें मौके पर ही 11 शिकायती प्रार्थना–पत्र का निस्तारण किया गया एवं 04 टीम बनाकर मौके पर भेजकर निस्तारित कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त लेखपालों को निर्देशित किया कि भूमि संबंधी शिकायतों को त्वरित गति से निस्तारण किया जाए। समाधान दिवस के अवसर पर शिवशंकर लाल, मुंगराबादशाहपुर द्वारा पुश्तैनी मकान पर नामांतरण से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जिसपर जिलाधिकारी ने ई०ओ० मुंगराबादशाहपुर को नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सुरेश चंद्र ग्राम बढौली नोनियान थाना सिकरारा तहसील सदर द्वारा पत्थर गड्डी होने के बाद पत्थर उखाड़कर फेंकने का प्रार्थना पत्र के संबंध एस०ओ० सिकरारा को निर्देशित किया कि

पत्थर उखाड़ने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करें। महेंद्र प्रताप यादव ग्राम नाथूपुर पोस्ट अहमदपुर ने चकमार्ग के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जिसमें जिलाधिकारी ने बी०डी०ओ० सिरकोनी एवं एस०ओ० जफराबाद को पुलिस की मौजूदगी में उचित स्थल पर चकमार्ग निर्माण कराते हुए 7 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आज के समाधान दिवस में ज्यादातर शिकायतें पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुई जिसपर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण करें और शिकायतों का निस्तारण ऐसा किया जाए जिससे शिकायतकर्ता को दोबारा शिकायत न करना पड़े। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० लक्ष्मी सिंह, जिला विकास अधिकारी बी०बी० सिंह, उपजिलाधिकारी सदर, सी०ओ० चकबंदी सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में इंफ्लुएंजा के दो और मरीजों की हुई पुष्टी

नई दिल्ली ब्यूरो : सर्दी, जुकाम, बुखार के बीच इंफ्लुएंजा लगातार जोर पकड़ रहा है। जेएन मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को हल्के लक्षण वाले दो और संदिग्ध मरीजों में इंफ्लुएंजा की पुष्टि हुई है। जिन्हें उपचार व दवा देकर घर में रहकर इलाज की सलाह दी गई है। इस दौरान एक बात देखने में आ रही है कि बच्चों के साथ–साथ सांस के मरीजों को इस बीमारी में ज्यादा परेशानी हो रही है। वहीं जिला प्रशासन के स्तर पर अभी इसकी जांच की कोई व्यवस्था नहीं हुई है। दीनदयाल–जिला अस्पताल में भी लगातार मरीज पहुंच रहे हैं। मगर डॉक्टरों की कमी के कारण बेहद परेशान रहते हैं। शहर में इंफ्लुएंजा के संदिग्ध मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। इसका उदाहरण जेएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में हर दिन देखने को मिल रहा है। तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, थकान और सूखी खांसी के लक्षण वाले मरीजों को ज्यादा परेशानी हो रही है। सांस के मरीजों को भी अधिक समस्या है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शुक्रवार को हुई जांच में दो मरीजों में इंफ्लुएंजा की पुष्टि हुई है। जिन्हें उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज के प्रचार्य डा.राकेश भार्गव के अनुसार हल्के लक्षण वाले दो नए मरीज पुष्ट हुए हैं। निमोनिया के मरीज भी लगातार सामने आ रहे हैं। निमोनिया भी पकड़ रहा जोर, दस मरीज भर्ती इस बीमारी के बीच निमोनिया भी जोर पकड़ रहा है। हर दिन मेडिकल कॉलेज में 60 से 70 मरीज पहुंच रहे हैं। इसके गंभीर मरीजों को टीबी एंड चेस्ट डिपार्टमेंट में भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। दस मरीज आइसीयू में भर्ती हैं। डॉक्टरों की कमी से छटपटा रहे मरीज जिला अस्पताल व दीनदयाल अस्पताल में डॉक्टरों की कमी लगातार परेशानी का सबब बनी हुई है। शुक्रवार को भी दोनों अस्पतालों में मरीजों की भीड़ रही। मगर डॉक्टरों की कमी के कारण मरीज ओपीडी में परेशान भटकते रहे। जिला अस्पताल में तो जैसे तैसे व्यवस्था की गई। मगर दीनदयाल का हाल ज्यादा खराब रहा। आलम ये था कि ओपीडी में डॉक्टरों के न होने के कारण मरीज भटकते रहे।

उमेश पाल हत्याकांड : प्रयागराज से वकील पहुंचे बरेली : जेल में की अशरफ से मुलाकात : जेल स्टाफ रहा मौजूद

प्रयागराज ब्यूरो : प्रयागराज से आए वकील विजय मिश्रा ने जेल स्टाफ और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ से मुलाकात की। माना जा रहा है कि वकील इस मुलाकात के बाद अशरफ का पक्ष प्रयागराज कोर्ट में रखेंगे। अशरफ ढाई साल से बरेली जिला जेल में बंद है। शुक्रवार को प्रयागराज से जिला जेल पहुंचे अतीक परिवार के वकील विजय मिश्रा ने अशरफ से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक दोनों में कानूनी मुद्दों पर चर्चा हुई। वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला ने बताया कि मुलाकात को लेकर कोर्ट का निर्देश था। सभी विधिक प्रक्रिया पूरी कराते हुए मुलाकात कराई गई। विजय मिश्रा के आने से पहले हुआ था मुकदमा उमेश पाल हत्याकांड से अशरफ का जुड़ाव सामने आया तो उस समय भी विजय मिश्रा ने उससे मुलाकात का प्रयास किया था। तब बरेली के अधिकारी मीडिया में छप रही खबरों को झुठला रहे थे। हालांकि विजय मिश्रा के आने से पहले कुछ ऐसे साक्ष्य मिले कि अशरफ के खिलाफ मामला दर्ज कर कुछ लोगों की गिरफ्तारी हो गई। इसके बाद अशरफ से किसी की मुलाकात पर रोक लगा दी गई थी। अब लंबे समय बाद वकील से मुलाकात की अनुमति मिली है। सामाजिक उत्थान का सपना दिखाकर उल्लू सीधा कर रहा था अशरफ उमेश पाल हत्याकांड में नामजद पूर्व विधायक अशरफ युवाओं को सामाजिक उत्थान का सपना दिखाकर अपना उल्लू सीधा कर रहा था। अब उससे मुलाकात या जुड़ाव के साक्ष्य मिलने पर एसआईटी ने उन्हें नोटिस थमा दिए हैं। सद्दाम से नजदीकी के बाद लल्ला गद्दी अक्सर अपने समाज के युवाओं को अशरफ से मिलवाने ले जाता था। इनमें से कुछ की गिरफ्तारी के बाद उनसे

पूछताछ में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। बताते हैं कि अशरफ इन युवाओं के सामने आदर्श की बातें करता था। कहता था कि गद्दी समाज में शिक्षा का स्तर कम है, इसे बढ़ाना होगा। गद्दी समाज के युवाओं को राजनीति में भी सक्रिय होना चाहिए। वह खुद समाज और युवा पीढ़ी का भला करने के लिए बडेघ्–बड़े दावे करता था। फिर इन्हीं लोगों का इस्तेमाल प्रयागराज से आने वाले लोगों से मुलाकात व अन्य कामों के लिए किया जाता था। ऐसे लोगों का कहना है कि उन दिनों वे अशरफ से मिलकर गर्व का अहसास करते थे, उन्हें नहीं पता था कि वे फंस जाएंगे। लल्ला गद्दी के साथ अक्सर छुटभैये बदमाश भी अशरफ से मिलने जाते थे। अशरफ उन्हें बडेघ् काम दिलाने का झांसा देता था। अब अशरफ के उमेश पाल हत्याकांड में नामजद होने के बाद उससे मुलाकात करने वालों को चिह्नित कर लिया गया है। एसआईटी ऐसे सभी लोगों को नोटिस भेजकर जुड़ाव की वजह पूछ रही है। जवाब से संतुष्ट होने पर कार्रवाई टल सकती है। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर केस में शामिल कर उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

कृषि मंत्री ने दो दिवसीय राज्यस्तरीय किसान मेले व उद्योग प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। मिल्कीपुर–अयोध्या। अयोध्या आचार्य नरेंद्र देव की कर्मस्थली रही है। देश के अंदर किसान की समस्या मोदी और योगी के लिए प्रमुख एजेंडा रहा है। यह धरती मां के समान है और इस पर फसलों की पैदावार अच्छी हो इसके लिए सबको मिलकर प्रयास करना होगा। सरकार की ओर से बीज एवं फसलों पर सब्सिडी दिया जा रहा है उसका सभी किसानों को लाभ उठाना चाहिए। उत्तर प्रदेश के अंदर 3 करोड़ 80 लाख किसानों को सरकार ने स्वायल हेल्थ कार्ड दिया है। पूर्व की सरकार किसानों को कागज पर हेल्थ कार्ड बनाकर दी है लेकिन योगी सरकार ने इसे बदलकर डिजिटल कर दिया। उत्तर प्रदेश के अंदर जो अर्थव्यस्था सुधारी है वो किसानों की देन है। जायद की फसल मक्का, ज्वार, बाजरा की दो हेक्टेयर तक खेती करने वाले किसानों को 90 प्रतिशत सब्सिडी उत्तर प्रदेश सरकार अयोध्या के किसानों को देगी। यह बातें कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय किसान मेले एवं उद्योग प्रदर्शनी के दौरान कही। शाही ने कहा कि जायद के समय में किसानों के खेत खाली रहते हैं। किसानों को जायद की फसलों लगाने के लिए सरकार अब सब्सिडी देगी। कृषि विश्वविद्यालय एवं सभी कृषि विज्ञान केंद्र जायद के समय में ज्वार, बाजरा एवं मक्का के फसल को लगाएं। विदेशों से आयात तेल का लोग सेवन कर रहे हैं जो हमारे देश एवं किसानों के लिए चुनौती बनकर खड़ा है। तेल के लिए हम सभी किसानों को 17 लाख मीट्रीक टन सरसो की खेती करनी होगी। उन्होंने 25 जिलों के किसानों को मेले में बुलाने का विश्वविद्यालय का प्रयासों की जमकर सराहना की। मंत्री शाही ने कहा कि मोटे अनाज को किसान अपनाएं जो स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली में मिलेट्स–2023 "श्री अन्न " का शुभारंभ करने जा रहे हैं जो देश, प्रदेश एवं किसानों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर गन्ना का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। उन्होंने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने खेतों में समय–समय पर जरूर जाएं और फसलों की समय से बोआई करें और उसे काटने का काम करें। इस दौरान पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन पर प्रकाशित की गई पत्रिका की भी जमकर सराहना की और कहा की इसका लाभ किसानों को लेना चाहिए। किसान मेले की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि कृषि विवि सुगर फ्री धान के अनुसंधान पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि विवि धान की कई प्रजातियां विकसित कर चुकी है जो पूरे भारत में प्रचलित है। आने वाले समय में यह कृषि विश्वविद्यालय इन्वेस्टर्स का रास्ता खोलेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय को शोध एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने कहा की दिल्ली के पूसा के साथ मिलकर काला चावल पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों से जुड़ी छात्रवृत्ति की समस्या का समाधान कृषि मंत्री शाही ने कर दिया है। उन्होंने कहा कि टीशू कल्चर को विकसित करने के लिए कृषि मंत्री ने 10 करोड़ा बजट दिया है और आगे विवि फूड एंड न्यूट्रीशियन का नया कोर्स शुरू होगा। भारतीय धान अनुसंधान केंद्र हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. आर एम सुंदरम ने कहा कि उप्र में चावल की अधिक पैदावार हो रही है। उन्होंने कहा की मधुमेह के मरीजों के लिए अब कोई परेशानी नहीं होगी और वे भी चावल का सेवन कर सकेंगे। इसके लिए उनके संस्थान ने उन्नत सांभा मंसूरी चावल का अनुसंधान किया है। उन्होंने कहा कि वे इसका सीड कृषि विश्वविद्यालय को भी देंगे और साथ ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर अन्य बीजों के अनुसंधान पर काम करेंगे। भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान बेगलौर के डायरेक्टर संजय सिंह ने कहा कि पूर्वांचल में सब्जियों की खेती में तेजी के साथ बदलाव आया है। कुछ जिलों में बड़ी–बड़ी मंडियां सब्जियों की खरीदारी के लिए आ रहीं हैं। उन्होंने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों और विश्वविद्यालय को मिलकर सरकार की योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने का काम करना चाहिए। मेले के उद्घाटन से पूर्व कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह, मेले के मुख्य आयोजक निदेशक प्रसार प्रो. एपी राव, डा संजय सिंह, डा. आर.एम सुंदरम, डा.एस.बी सिंह व डा. जेके तोमर ने जल भरो कार्यक्रम कर मेले का उद्घाटन किया। छात्राओं ने स्वागतम गीत प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का स्वागत किया। किसान मेले का संचालन मौसम विभाग के वैज्ञानिक डा. सीताराम मिश्रा ने किया। मेले में पहला एमओयू केंद्रीय बागबानी अनुसंधान संस्थान बेंगलोर और कृषि विश्वविद्यालय के बीच किया गया इससे छात्रों को शोध के कार्यों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी एमओयू पीएनपी दिल्ली के एनजीओ व आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि के मध्य हुआ। इससे किसानों एवं छात्रों के आर्थिक एवं तकनीकि शोध के लिए लाभ मिलेगा।

विद्युत कर्मियों की हड़ताल के चलते जनपद में विद्युत सप्लाई को लेकर मचा हाहाकार

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। जनपद अयोध्या में एक तरफ सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा, शहर के निवासियों में सामान्य बृहद जलसमस्या, के बावजूद विद्युत कर्मियों की 72 घंटे की अनवरत हड़ताल के चलते उपरोक्त समस्याओं में आग में घी का काम किया है शहर में स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि अधिकतर विद्युत सब स्टेशनों से विद्युत सप्लाई ठप कर दी गई है लोगों मैं 72 घंटे की हड़ताल को ध्यान में रखते हुए साधारण रूप से अनुमान लगाया जा रहा है अगले 3 दिनों तक उनको बूंद बूंद पानी के लिए तरसना पड़ेगा और न केवल बूंद पानी के लिए बल्क बोर्ड की परीक्षाओं के संचालन में भी विद्यार्थियों की तैयारियों के सापेक्ष मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा जिससे विद्युत सप्लाई बाधित होने से शहर में अंधकार के साथ नौनिहालों के भविष्य अंधकार में होने के अंदेशे जाहिर किए जा रहे हैं। फिलहाल उपरोक्त समस्याओं से निपटने के लिए प्रशासन के पास कोई विकल्प भी नहीं है आम जनता को समस्याएं झेलना ही पड़ेगा।

सी आर ओ की अध्यक्षता में खजनी तहसील में चलाया गया संपूर्ण समाधान दिवस

गोरखपुर खजनी पत्रकार रवि कुमार : खजनी तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता मुख्य राजस्व अधिकारी सुशील कुमार गौड़ द्वारा फरियादियों की फरियाद सुना गया। कुल 53 फरियादी अपनी फरियाद

लेकर आए उनकी फरियाद सुनी गई। जिसमें तीन फरियादियों का फरियाद को सुनने के बाद उनके मामले का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। जिससे फरियादी खुश हो कर अपने घर की ओर गए। एवं शेष के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को यथाशीघ्र गुणवत्ता युक्त निस्तारण के लिए आदेशित किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस पर उपस्थित उपजिला अधिकारी सिद्धार्थ पाठक, नायब तहसीलदारगण, हरीश यादव, दुर्गेश चौरसिया, प्राथमिक चिकित्सा प्रभारी खजनी प्रदीप त्रिपाठी, एव अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च अंक प्राप्त करनें वाले छात्र–छात्राओं को प्रदान की गई उपाधि

अयोध्या(डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं कुलपति द्वारा सर्वोच्च अंक प्राप्त स्नातक, परास्नातक एवं दानस्वरूप छात्र–छात्राओं को कुल 127 स्वर्णपदक प्रदान किए जायेंगे। इसमें विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों के स्नातक, परास्नातक व पीएचडी में कुल 191074 छात्र–छात्राओं को उपाधि दी गई। जिसमें स्नातक के कुल 152080, परास्नातक के कुल 38897 व पीएचडी के कुल 97 छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम से पहले कुलाधिपति द्वारा डॉ.लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उसके उपरांत विश्वविद्यालय के 65 बटालियन एसीसी कैडेटों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में राज्यपाल व अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित किया गया। छात्राओं द्वारा वंदेमातरम, जल भरो कार्यक्रम एवं कुलगीत की संगीतमय प्रस्तुति की गई। अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेटकर किया गया। समारोह में राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलाधिपति द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के 30 छात्र–छात्राओं को बैग, बुक किट व फल की टोकरी देकर सम्मानित किया गया। कुलाधिपति द्वारा आगनबाडीघ कार्यकत्रियों को सेवा कार्य में प्रोत्साहन के लिए बच्चों के खिलौने, साइकिल, कुर्सी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. संत शरण मिश्र द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव उमानाथ ने किया। समारोह में मंहत राजू दास, महंत रामदास, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, साहित्यकार एवं शिक्षाविद्व डॉ0 प्रेमभूषण गोयल, जिलाधिकारी नीतीश कुमार, एसएसपी, एसपी सिटी अयोध्या, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, प्रो. एसके रायजादा, प्रो. एमपी सिंह, प्रो. एनके तिवारी, प्रो. फारूख जमाल, प्रो. के.के. वर्मा, प्रो. आरके तिवारी, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 तुहिना वर्मा, प्रो. अनूप कुमार, सहायक कुलसचिव डॉ. रीमा श्रीवास्तव, मो0 सहील प्रो0 गंगाराम मिश्र, प्रो0 अशोक राय सहित बड़ी संख्या में सदस्य छात्र–छात्राएं, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्ट ने किया कर्मचारियों के खिलाफ वारंट जारी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल पर सख्त रुख अपनाया है। आज एडवोकेट विभू राय की याचिका पर सुनवाई करते हुए संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही योगी आदित्यनाथ सरकार को भी दिशा निर्देश जारी किए हैं. कहा कि प्रदेश में जहां–जहां गड़बड़ी है, वहां तत्काल व्यवस्था बहाल की जाए, कोर्ट ने 20 मार्च को हड़ताली कर्मचारी नेताओं और विभाग के अधिकारियों को तलब किया है।यह आदेश जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र और जस्टिस विनोद दिवाकर की खंडपीठ ने दिया। दरअसल, एडवोकेट विभू राय ने अपनी याचिका में कहा था कि बिजली कर्मचारियों ने प्रदेशव्यापी हड़ताल शुरू किया है, लेकिन हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर बिजली कर्मचारियों की हड़ताल को अवैध करार दे दिया था,इसके बाद भी हड़ताल की गई, जो कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन है। इसे अवमानना की श्रेणी में रखा जाना चाहिए।

110 बच्चों को मिलेगें लैपटॉप, कोरोना काल में खो दिया था मां–बाप को

अलीगढ़ ब्यूरो : अलीगढ़ जिले में कोरोना संक्रमण काल में अनाथ हुए 110 बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। जेम पोर्टल के माध्यम से करीब 44 लाख रुपये की कीमत से यह लैपटॉप खरीदे गए हैं। इनका जल्द ही वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण काल में अपने मां–बाप

को खो देने वाले बच्चों की पढ़ाई एवं लड़कियों के विवाह तक के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की शुरूआत की थी। इस योजना में जिले में करीब 200 से अधिक बच्चे इस तरह के चिह्नित किए गए हैं। इनमें कुछ बच्चों ने अपने मां–बाप दोनों को खो दिया है। कुछ बच्चों के मां–पिता में से किसी एक की मौत हो गई है। सरकार द्वारा इन बच्चों के खातों में प्रतिमाह 4000 रुपये के हिसाब से सहायता राशि भेजी जा रही है। अब नौंवी से 12वीं कक्षा तक पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं के लिए लैपटॉप देने का निर्णय लिया गया है। पिछले दिनों शासन स्तर से जिले को लैपटॉप की खरीद के लिए 44.40 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी स्मिता सिंह ने बताया कि जिले के करीब 110 बच्चों को लैपटॉप उपलब्ध कराने के लिए जेम पोर्टल के प्रत्येक लैपटॉप 38 हजार की दर से खरीदा गया है। इनका जल्द ही वितरण शुरू हो जाएगा।

भोजपुरी फिल्म नालायक छोटकी दुल्हिन और वसीयत का एक साथ मुहूर्त अयोध्या में संपन्न

अयोध्या(डीकेयू लाइव ब्यूरो)सुरेंद्र कुमार। राम की नगरी अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद तीन भोजपुरी फिल्मों का भव्य मुहूर्त किया गया जिसमें नालायक ,छोटकी दुल्हिन और वसीयत है । इस शुभ अवसर पर हनुमानगढ़ी के पुजारी परम पूज्य राजू दास जी महाराज, संजय दास जी महाराज के साथ कई अन्य सम्मानित गणमान्य उपस्थित रहे और इन सभी लोगों ने फिल्म की सफलता हेतु अपना शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान की। यह फिल्म पंडित ब्रदर्स फिल्म्स एमएस फिल्म एंटरटेनमेंट,एवं रंजीत सिंह इंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है। इन फिल्मों के निर्माता जनार्दन पांडे बबलू पंडित एवं महेश सिंह है। इन फिल्मों में नालायक फिल्म में भोजपुरी सुपरस्टार गुंजन सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे तथा उनके साथ नायिका की कास्टिंग होना बाकी है इस फिल्म का लेखन और निर्देशन गौरव पटेल गुड्डू कर रहे हैं। म्यूजिक डायरेक्टर आर्या शर्मा छायांकन डीके शर्मा ,फाइट मास्टर दिनेश यादव है। इस फिल्म के कार्यकारी निर्माता विनय प्रकाश तिवारी एवं ओमप्रकाश सिंह हैं प्रोडक्शन कंट्रोलर रितेश पांडे व राकेश कुमार और पी आर ओ अरविंद मौर्य है। वहीं दूसरी फिल्म छोटकी दुल्हिन की बात करें तो उसके लेखक प्रकाश तिवारी निर्देशक गौरव पटेल गुड्डू तथा तीसरी फिल्म वसीयत है। प्रेस वार्ता के दौरान जनार्दन पांडे

बबलू पंडित तथा महेश सिंह द्वारा बताया गया कि कलाकारों और टेक्नीशियन का चयन की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें कुछ कलाकार फाइनल कर लिए गए हैं जैसे कि अनूप अरोड़ा, संतोष श्रीवास्तव, संजय वर्मा, संजीव मिश्रा,रजनीश पाठक, संजू सोलंकी, आरके गोस्वामी, सी पी भट्ट, धामा वर्मा, जनार्दन पांडे बबलू पंडित, डॉ बीएम राय, महिमा गुप्ता, कृष्णा यादव, विवेक पांडे, प्रिया वर्मा, विद्या सिंह, पूजा तिवारी, ओमप्रकाश सिंह, मनोज सिंह चौहान, रतन कालिया, चिंटू सागर, बृज मोहन तिवारी, गणेश सिंह,शिव शंकर यादव, इंद्रेश त्रिपाठी, डाली गुप्ता, अंजली भारती, सतीश कुमार, सोनू पांडे, , मोनिका मिश्रा और अशोक कुशवाहा है। उन्होंने बताया कि बाकी कुछ मुख्य कलाकारों टेक्नीशियन का चयन होते आपको सूचना दी जाएगी इस फिल्म की प्री– प्रोडक्शन की प्रक्रिया लगभग लगभग पूरी कर ली गई है और बहुत ही जल्द फिल्म का फिल्मांकन किया जाएगा।

इंटरनेशनल वूमेंस इंस्प्रेशन अवार्ड 2023 हेतु जनपद से अमिता व निरमा देवी का हुआ चयन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इंटरनेशनल ओमेंस इंस्पिरेशन अवार्ड 2023 मथुरा मे आयोजित कार्यक्रम में जनपद से लेखिका अमिता मिश्रा,मीतू को विशेष व उत्कृष्ट लेखनी व समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कुबेर लाल जन सेवा संस्थान की संस्थापिका निरमा देवी को इंटरनेशनल वूमेंस इंस्पिरेशन अवॉर्ड 2023 के लिए चयनित किया गया है। ज्ञातव्य हो कि अमिता मिश्रा,मीतू गृह जनपद हरदोई की ही रहने वाली है उनकी माता का नाम मधुबाला मिश्रा व पिता स्मृतिशेष श्रीकान्त मिश्रा है। इन्होने स्नातक सूक्ष्म जीव विज्ञान,बी.एड,डिप्लोमा इन फूड एंड न्यूट्रीशन से किया है। इनकी खास रुचि पेंटिंग,कुकिंग, प्रकृति के करीब रहना और सुंदर प्राकृतिक दृश्यों वाली नई नई जगहों का भ्रमण साथ ही सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्थाओं के साथ काम करना है। साथ ही इंटर कॉलेज में जीव विज्ञान की शिक्षिका के रूप में कार्य किया,अंतर्ध्वनि महिला विंग सामाजिक संस्था की उपाध्यक्ष के रूप में 2 वर्ष कार्य किया। साथ ही लेखन कार्य जारी रहा। कोरोना काल में कोरोना योद्धा टीम से जुड़ कर कई कार्य किया है। उन्हें विभिन्न साहित्यिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर लेखन और सामाजिक कार्य कर रही है। इसी के साथ ही दो उपन्यास लिखे है जो पारुलऔर सुगंधा है जो जीवन पर आधारित बहुत ही सरल शब्दो मे अपने उपन्यास मे पिरोया है। इनको कई सम्मान से नवाजा गया है जैसे शारदेय रत्न सम्मान, साहित्य श्री सम्मान, साहित्य गौरव सम्मान, पंडित रविन्द्र नाथ मिश्र सम्मान, बेटियां फाउंडेशन साहित्य सम्मान और सरस्वती सदन हरदोई द्वारा मिथिलेश कुमारी स्मृति सम्मान, आई एन ए न्यूज द्वारा महिला साहित्यकार के रूप में सम्मान

मिला है। इसके अलावा कुबेर लाल जन सेवा संस्थान की संस्थापिका निरमा देवी का भी अवार्ड के लिए चयन किया गया है। श्रीमती देवी अपने संस्थान के माध्यम से जरूरतमंद गरीब बच्चों, बुजुर्गो और गरीबों की हर संभव मदद के लिए हमेशा तैयार रहती है। उनका कहना है कि हर जरूरतमंद की मदद करना संस्था का प्रमुख लक्ष्य रहता है साथ ही सभी प्रमुख त्योहारों को जरूरतमंदों के साथ मनाने का प्रयास संस्था करती रहती है।सामाजिक संस्था कुबेर लाल जन सेवा संस्थान की संस्थापिका निरमा देवी को कई बार विशेष संस्थाओं द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है ।इस बार उन्हें भी इंटरनेशनल वूमेंस इंस्पिरेशन 2023 अवार्ड के लिए समाज सेवा में लगातार कार्य करने के लिए सम्मानित किया जाएगा। लाइफलाइन फाउंडेशन की संस्थापक डा० रेणुका वाध्वा ने बताया कि जिन महिलाओ ने किसी भी क्षेत्र मे विशेष व उत्कृष्ट कार्य किया है उन महिलाओं को उनकी संस्था द्वारा सम्मान दिया जाता है। जिन महिलाओं का अंतर्राष्ट्रीय महिला प्रेरणा पुरस्कार 2023 चयन किया जाएगा, उन सभी महिलाओं को 26 मार्च को मथुरा में सम्मानित किया जाएगा।

बिजली कर्मचारियों के आंदोलन का समर्थन : सरकार की धमकी का विरोध

अयोध्या(डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। भारत की जनवादी नौजवान सभा के पूर्व प्रदेश महासचिव सत्यभान सिंह जनवादी ने बिजली कर्मचारियों के आंदोलन का समर्थन करते हुए प्रदेश के उर्जा मंत्री के आंदोलनकारी बिजली कर्मचारियों के खिलाफ एस्मा और रासुका जैसे दमनकारी उपबंधों (कानूनों) में कार्यवाही किये जाने की धमकी दिये जाने का निंदा किया है। उन्होंने ने कहा है कि बिजली कर्मचारियों की मांगे आम जनता के हितों से जुड़ी हैं। बिजली कर्मी निजीकरण और 23 प्रतिशत की मूल्यवृद्धि का भी विरोध कर रहे हैं। निजीकरण सुधार का विकल्प नहीं है। जहां जहां निजीकरण हुआ है वहां से उत्तर प्रदेश सरकार को अनुभव लेना चाहिए। अभी मूल्यवृद्धि के 23 प्रतिशत के नियामक आयोग के समर्थन का परिणाम आम जनता को महंगी बिजली खरीदनके लिए विवश करने वाला ही होगा। संविदा कर्मियों का नियमितीकरण, समान काम के लिए समान वेतन जैसे बुनियादी मांगे, जिस पर दिसम्बर में सरकार सहमत भी हो गयी थी, अब किसके दबाव में कदम पीछे खींच रही है। सरकार का रवैया दमनात्मक है। कड़े शब्दों में निदा करते है।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।